चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 20 अप्रैल 2026, अंक –262.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

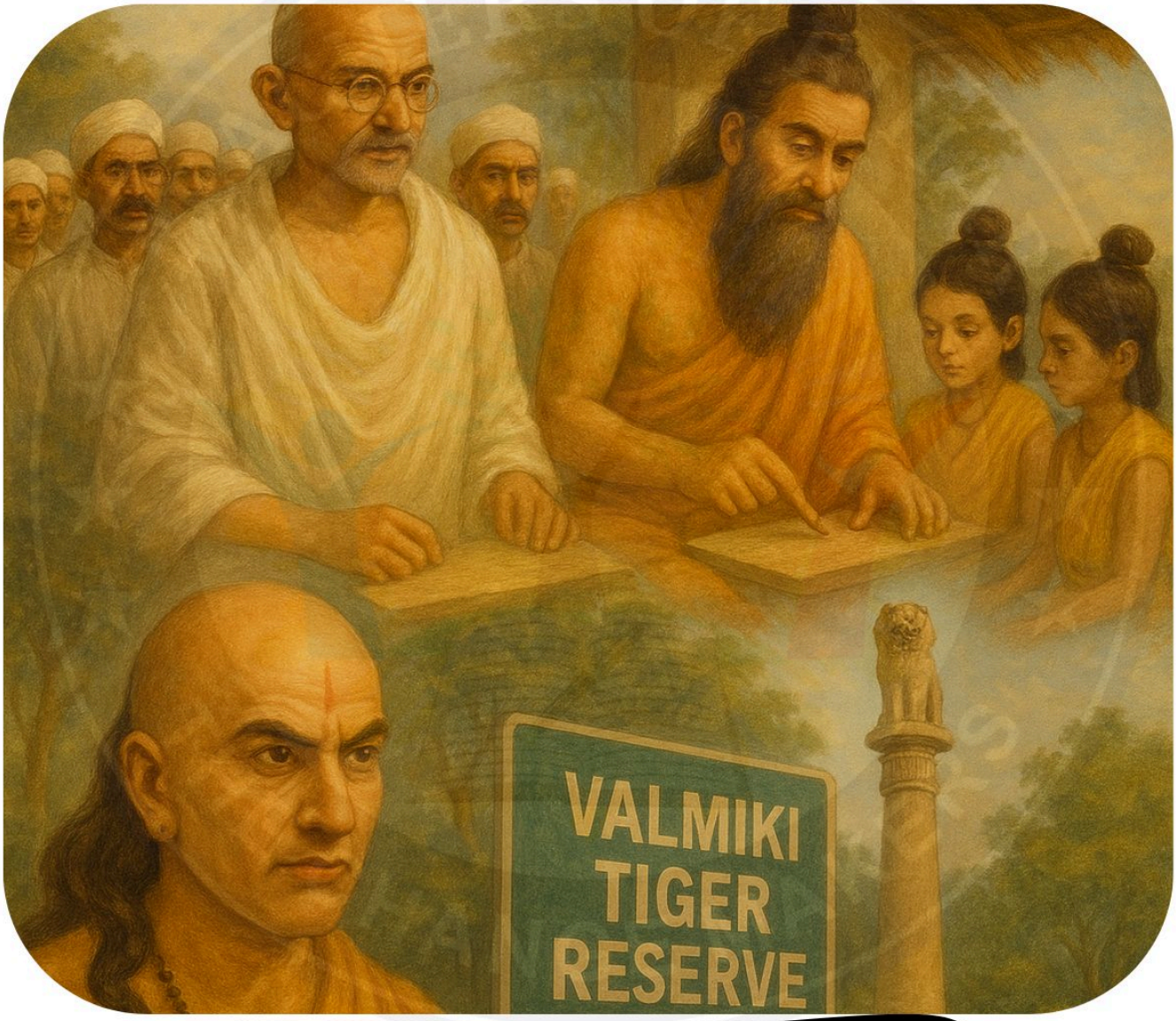

'मैं उस धर्म को नहीं मानता जो मनुष्य को मनुष्य से अलग करता हो।' -डॉ. BR अम्बेडकर

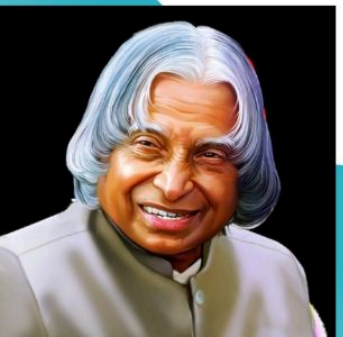

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Monday Prayer

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

सदा हमारे सिर पर तेरा हाथ रहे,
हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे,
हां, हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे;
खुशियों का हो जीवन में आयाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मिलकर इस धरती को चमन बनाएं हम,
गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम।
हां, गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम;
यही हमारा हो हरदम पैगाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मात-पिता की सेवा और सम्मान करें,
उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
हां, उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
अच्छे कर्म का अच्छा परिणाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा...

गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. जापान की राजधानी क्या है?
उत्तर: टोक्यो
प्रश्न 2. भारत के पहले गृह मंत्री कौन थे?
उत्तर: सरदार वल्लभभाई पटेल
प्रश्न 3. बैसाखी पर्व किस राज्य में मनाया जाता है?
उत्तर: पंजाब
प्रश्न 4. 8 का घन क्या है?
उत्तर: 512
प्रश्न 5. बिहार के मुख्यमंत्री कौन है ?
उत्तर: श्री सम्राट चौधरी
प्रश्न 6. पेरियार राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: केरल
प्रश्न 7. डीएनए की संरचना की खोज किसने की?
उत्तर: वाटसन-क्रिक
प्रश्न 8. भारत में लोकसभा के सदस्य कितने होते हैं?
उत्तर: 543
प्रश्न 9. 'राम' शब्द किस प्रकार की संज्ञा है?
उत्तर: व्यक्तिवाचक
प्रश्न 10. पृथ्वी अपनी धुरी पर एक चक्कर कितने समय में लगाती है?
उत्तर: 24 घंटे

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Room – (रूम) – कमरा
2. Door – (डोर) – दरवाज़ा
3. Window – (विंडो) – खिड़की
4. Bag – (बैग) – थैला / बैग
5. Bottle – (बॉटल) – बोतल
6. Food – (फूड) – भोजन
7. Water – (वॉटर) – पानी

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "हम ... नहीं हैं" (We are not ...)

हम खुश नहीं हैं। – We are not happy.
हम ठीक नहीं हैं। – We are not fine.
हम तैयार नहीं हैं। – We are not ready.
हम व्यस्त नहीं हैं। – We are not busy.
हम सुरक्षित नहीं हैं। – We are not safe.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटोहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. आज 20 अप्रैल को 'संयुक्त राष्ट्र चीनी भाषा दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस किस महान पौराणिक व्यक्तित्व की स्मृति में समर्पित है जिन्हें चीनी अक्षरों का आविष्कारक माना जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: सांग जे (Cangjie)
व्याख्या: संयुक्त राष्ट्र द्वारा हर साल 20 अप्रैल को चीनी भाषा के सांस्कृतिक और भाषाई महत्व को रेखांकित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। सांग जे एक महान इतिहासकार थे, जिन्होंने हजारों साल पहले चीनी लिपि के मूल अक्षरों की रचना की थी। बहुभाषावाद और सांस्कृतिक विविधता को समझना वैश्विक नागरिक बनने की दिशा में एक बड़ा कदम है।
संदर्भ: संयुक्त राष्ट्र (UN) आधिकारिक कैलेंडर 2026।

2. हाल ही में 'बिहार सरकार' ने किस जिले में 'राज्य का पहला अत्याधुनिक मशरूम बीज उत्पादन केंद्र' (Mushroom Spawn Lab) स्थापित करने की घोषणा की है? (समसामयिकी)
उत्तर: समस्तीपुर (पूसा)
व्याख्या: अप्रैल 2026 में डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा (समस्तीपुर) में इस नई प्रयोगशाला को मंजूरी दी गई है। यह केंद्र बिहार के मशरूम उत्पादकों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराएगा, जिससे राज्य में मशरूम क्रांति को और गति मिलेगी और महिला स्वयं सहायता समूहों की आय में वृद्धि होगी।
संदर्भ: कृषि विभाग, बिहार सरकार (अप्रैल 2026)।

3. “The Courage to Act” पुस्तक के लेखक कौन हैं? (पुस्तक-लेखक)
उत्तर: बेन बर्नान्के
व्याख्या: “The Courage to Act” के लेखक बेन बर्नान्के हैं, जो अमेरिका के पूर्व फेडरल रिजर्व चेयरमैन रहे हैं। इस पुस्तक में उन्होंने 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान लिए गए निर्णयों और आर्थिक नीतियों का विश्लेषण किया है, जो अर्थशास्त्र और वित्तीय अध्ययन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: Penguin Books

4. ‘सतत विकास’ का मूल उद्देश्य क्या है? (पर्यावरण)
उत्तर: संसाधन संतुलन
व्याख्या: सतत विकास का अर्थ है वर्तमान आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए भविष्य की पीढ़ियों की आवश्यकताओं से समझौता न करना। इसमें प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास का समन्वय शामिल है। यह अवधारणा पर्यावरणीय स्थिरता और मानव कल्याण दोनों के लिए अत्यंत आवश्यक है।
संदर्भ: NCERT Class 8 Geography, Ch 1 Resources, p. 6

5. हड़प्पा सभ्यता के किस प्रमुख नगर से 'गोदीबाड़ा' (Dockyard) के अवशेष मिले हैं, जो उस समय के उन्नत समुद्री व्यापार का प्रमाण है? (इतिहास)
उत्तर: लोथल (गुजरात)
व्याख्या: लोथल साबरमती की उपनदी के तट पर स्थित था। यहाँ ईंटों का बना एक विशाल तालाब मिला है, जहाँ समुद्र के रास्ते आने वाले जहाज रुकते थे और माल चढ़ाया या उतारा जाता था। यह पुरास्थल दर्शाता है कि हड़प्पा सभ्यता के लोग अंतरराष्ट्रीय व्यापार में निपुण थे।
संदर्भ: NCERT कक्षा 6 इतिहास, अध्याय 3 (आरंभिक नगर), पृष्ठ 31।

"सामान्य-ज्ञान"

6. भारत का वह कौन सा राज्य है जिसकी सीमाएं उत्तर में 'भूटान' और दक्षिण-पश्चिम में 'बांग्लादेश' के साथ लगती हैं? (भूगोल)
उत्तर: असम
व्याख्या: भौगोलिक मानचित्र के अनुसार, असम की सीमाएं दो अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय देशों के साथ स्पर्श करती हैं। इसके उत्तर में भूटान देश स्थित है और दक्षिण-पश्चिम के छोटे हिस्से में इसकी सीमा बांग्लादेश से मिलती है। उत्तर-पूर्व भारत की सुरक्षा और व्यापार के लिए असम एक मुख्य केंद्र (Hub) है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 9 भूगोल, अध्याय 1 (भारत - आकार और स्थिति), पृष्ठ 6।

7. भारतीय संविधान का वह कौन सा अनुच्छेद है जो 'समान न्याय और गरीबों को मुफ्त कानूनी सहायता' (Free Legal Aid) का निर्देश देता है? (संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 39A
व्याख्या: राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के अंतर्गत अनुच्छेद 39A यह सुनिश्चित करता है कि आर्थिक या अन्य अक्षमताओं के कारण कोई भी नागरिक न्याय पाने से वंचित न रहे। यह प्रावधान सामाजिक और आर्थिक न्याय की दिशा में संविधान का एक अत्यंत प्रगतिशील कदम है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 11 राजनीति विज्ञान, अध्याय 2, पृष्ठ 43।

8. वैसी रासायनिक अभिक्रिया जिसमें किसी यौगिक से 'ऑक्सीजन का ह्रास' (निकलना) होता है, क्या कहलाती है? (विज्ञान)
उत्तर: अपचयन (Reduction)
व्याख्या: रासायनिक अभिक्रियाओं में ऑक्सीजन का जुड़ना 'उपचयन' (Oxidation) कहलाता है, जबकि ऑक्सीजन का अलग होना 'अपचयन' कहलाता है। इन दोनों अभिक्रियाओं के सम्मिलित रूप को 'रेडॉक्स' (Redox) अभिक्रिया कहते हैं। यह धातुओं के शुद्धिकरण और कई जैविक प्रक्रियाओं में आधारभूत भूमिका निभाता है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 10 विज्ञान, अध्याय 1 (रासायनिक अभिक्रियाएँ एवं समीकरण), पृष्ठ 12।

9. विश्व प्रसिद्ध 'मुक्तेश्वर मंदिर' (भुवनेश्वर) अपनी किस विशिष्ट वास्तुकला संरचना के लिए प्रसिद्ध है, जो मंदिर के प्रवेश द्वार पर स्थित है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: अलंकृत तोरण (Archway)
व्याख्या: ओडिशा के भुवनेश्वर में स्थित यह मंदिर 'कलिंग वास्तुकला' का रत्न माना जाता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसका अर्धवृत्ताकार सुंदर नक्काशीदार प्रवेश द्वार (तोरण) है। यह मंदिर वास्तुकला और मूर्तिकला के अद्भुत संगम का प्रतिनिधित्व करता है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 11 (Fine Arts) भारतीय कला का परिचय, अध्याय 6।

10. 'कोसी नदी' को किस नाम से जाना जाता है? (बिहार GK)
उत्तर: बिहार का शोक
व्याख्या: कोसी नदी को 'बिहार का शोक' कहा जाता है क्योंकि यह बार-बार बाढ़ लाती है और अपने मार्ग को बदलती रहती है। इससे बड़े पैमाने पर जान-माल की हानि होती है। यह नदी हिमालय से निकलकर बिहार के मैदानों में प्रवेश करती है और अत्यधिक गाद लाती है।
संदर्भ: NCERT Class 9 Geography, Ch 3 Drainage, p. 36; Bihar GK

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार (अप्रैल W3): लू (Heat Wave) से बचाव के लिए स्वास्थ्य की दृष्टि से सबसे उत्तम 'घर पर बने पेय' कौन से हैं? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: लस्सी, नींबू पानी और आम का पन्ना
व्याख्या: आपदा कैलेंडर 2026 (अप्रैल W3) के अनुसार, भीषण गर्मी और लू से बचने के लिए शरीर को हाइड्रेटेड रखना अनिवार्य है। बाजार के ठंडे पेय पदार्थों के बजाय घर पर बने ताजे नींबू पानी, आम का पन्ना या मट्ठे (लस्सी) का सेवन करना चाहिए। इसके अतिरिक्त, घर से बाहर निकलते समय पर्याप्त पानी पीना और हल्का भोजन करना सुरक्षित रहता है।
संदर्भ: आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेण्डर 2026, पृष्ठ 7।

12. 2, 6, 12, 20, ? — दी गई श्रेणी में अगली संख्या क्या होगी? (मानसिक योग्यता)
उत्तर: 30
व्याख्या: इस श्रेणी में जोड़ी जाने वाली संख्या सम संख्या के रूप में बढ़ रही है:
2+4
6+6
12+8
20+10

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Knack (नैक) = Skill (स्किल) = विशेष कौशल / निपुणता
Antonym – Inability (इनएबिलिटी) = अयोग्यता
Lament (लामेंट) = Mourn (मॉर्न) = शोक करना / विलाप करना
Antonym – Rejoice (रिजॉइस) = खुश होना
Meek (मीक) = Humble (हम्बल) = विनम्र / दब्बू
Antonym – Arrogant (एरोगेंट) = घमंडी
Noteworthy (नोटवर्दी) = Remarkable (रिमार्केबल) = उल्लेखनीय
Antonym – Unimportant (अनइम्पॉर्टेन्ट) = महत्वहीन
Ordeal (ऑर्डील) = Hardship (हार्डशिप) = कठिन परीक्षा / कष्ट
Antonym – Comfort (कम्फर्ट) = आराम

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Prime Minister inaugurates 'Bharat-AI Genome Hub' in Hyderabad; focus on precision medicine and indigenous drug discovery using Generative AI.
प्रधानमंत्री ने हैदराबाद में 'भारत-एआई जीनोम हब' का उद्घाटन किया; इसका उद्देश्य जनरेटिव एआई का उपयोग करके सटीक चिकित्सा और स्वदेशी दवा खोज को बढ़ावा देना है।

ISRO successfully launches 'INSAT-4G' satellite to boost remote education connectivity in North-Eastern states and Andaman islands.
इसरो ने उत्तर-पूर्वी राज्यों और अंडमान द्वीपों में रिमोट शिक्षा कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए 'इनसेट-4G' (INSAT-4G) उपग्रह का सफल प्रक्षेपण किया।

Ministry of Education and NCERT announce 'National Curricular Integrated Skill' (NCIS) framework to award academic credits for vocational training.
शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी ने 'नेशनल करिकुलम इंटीग्रेटेड स्किल' (NCIS) ढांचे की घोषणा की; अब व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए भी छात्रों को शैक्षणिक क्रेडिट दिए जाएंगे।

INTERNATIONAL NEWS

UN Security Council passes 'Global Treaty on Space Debris Mitigation'; mandates responsible satellite de-orbiting for all space-faring nations.
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 'अंतरिक्ष मलबे के शमन पर वैश्विक संधि' पारित की; सभी अंतरिक्ष यात्री देशों के लिए उपग्रहों को जिम्मेदारी से डी-ऑर्बिट करना अनिवार्य किया गया।

BBC News: G20 Climate Summit reaches consensus on 'Green Shipping Corridors'; targets zero-emission maritime trade by 2040.
बीबीसी न्यूज़: G20 जलवायु शिखर सम्मेलन में 'ग्रीन शिपिंग कॉरिडोर' पर सहमति बनी; 2040 तक शून्य-उत्सर्जन समुद्री व्यापार का लक्ष्य निर्धारित।

WHO awards 'Global Excellence Award' to India's Ayushman Bharat Digital Mission for innovative healthcare data integration.
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने स्वास्थ्य डेटा एकीकरण में नवाचार के लिए भारत के आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन को 'ग्लोबल एक्सीलेंस अवार्ड' से सम्मानित किया।

BIHAR NEWS

Bihar Government to establish 'Climate-Smart Agriculture Centre' in Pusa to mitigate flood impacts on regional crops.
बिहार सरकार बाढ़ के प्रभाव को कम करने और फसलों की रक्षा के लिए पूसा (समस्तीपुर) में 'क्लाइमेट-स्मार्ट कृषि केंद्र' स्थापित करेगी; BPSC हेतु महत्वपूर्ण।

SCERT Bihar launches 'Vigyan Jyoti' residential camps for rural girl students to encourage research in Pure Sciences.
एससीईआरटी बिहार ने ग्रामीण छात्राओं को शुद्ध विज्ञान (Pure Sciences) में अनुसंधान के लिए प्रोत्साहित करने हेतु 'विज्ञान ज्योति' आवासीय शिविरों की शुरुआत की।

SPORTS NEWS

India wins 'Asian Table Tennis Team Championship 2026' in Singapore; Manika Batra leads team to a historic gold medal finish.
भारत ने सिंगापुर में एशियाई टेबल टेनिस टीम चैंपियनशिप 2026 जीती; मणिका बत्रा के नेतृत्व में टीम ने ऐतिहासिक स्वर्ण पदक हासिल किया।

Ministry of Youth Affairs and Sports announces 'Target Olympic Podium Scheme (TOPS) - NextGen' to scout 12-year-old talents for 2036 Games.
युवा मामले और खेल मंत्रालय ने 2036 के खेलों के लिए 12 वर्षीय प्रतिभाओं की खोज हेतु 'टॉप्स (TOPS) - नेक्स्टजेन' योजना की घोषणा की।

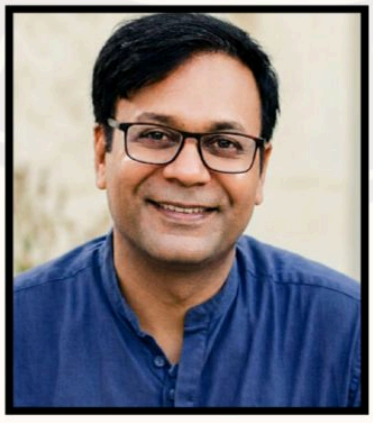

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"करेंट अफेयर्स का नियमित अध्ययन ही प्रतियोगी सफलता की सबसे मजबूत नींव है।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

"असली बुद्धि की पहचान"

विद्यालय में एक रोचक चर्चा चल रही थी—मानवीय बुद्धि (Natural Intelligence) और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) में आखिर अधिक श्रेष्ठ कौन है?

कक्षा के छात्र रवि ने कहा—

"सर, आजकल AI सब कुछ कर सकता है—लिख सकता है, चित्र बना सकता है, सवालों के जवाब दे सकता है। मुझे लगता है AI ही सबसे बड़ा है।"

तभी मैडम जी मुस्कुराईं और बोलीं—

"ठीक है, आज एक छोटा प्रयोग करते हैं।"

उन्होंने बोर्ड पर एक सवाल लिखा—

"अगर रास्ते में एक घायल व्यक्ति मिले, तो क्या करना चाहिए?"

रवि ने तुरंत AI से जवाब लिया—

"उसे अस्पताल ले जाना चाहिए, प्राथमिक उपचार देना चाहिए।"

मैडम जी ने कहा— "अब तुम बताओ, तुम क्या करोगे?"

रवि थोड़ी देर चुप रहा, फिर बोला—

"मैं उसे सहारा दूँगा, पानी दूँगा, और तुरंत मदद बुलाऊँगा।"

मैडम जी ने समझाया—

"AI तुम्हें सही जवाब दे सकता है, लेकिन भावना, संवेदना और निर्णय तुम्हें खुद लेने होते हैं। AI के पास जानकारी है, लेकिन इंसान के पास दिल और समझ है।"

फिर उन्होंने कहा—

"AI हमारी मदद के लिए बना है, लेकिन उसका सही उपयोग करना हमारी जिम्मेदारी है। अगर इंसान अपनी सोच और संवेदना खो दे, तो तकनीक बेकार हो जाएगी।"

रवि को अपनी बात समझ में आ गई। उसने कहा—

"मैडम जी, अब समझ गया—AI बड़ा नहीं, बल्कि इंसान की सोच और भावना सबसे बड़ी है।"

संदेश : "तकनीक हमें तेज बनाती है, लेकिन इंसानियत हमें महान बनाती है।"

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

"शिक्षा के उद्देश्य (Aims of Education) — सर्वांगीण विकास की दिशा"

सामान्यतः समाज में यह धारणा व्याप्त है कि शिक्षा का एकमात्र उद्देश्य एक अच्छी नौकरी प्राप्त करना या डिग्री हासिल करना है। परंतु, शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य इससे कहीं अधिक व्यापक और गहरा है। प्राचीन भारतीय दर्शन से लेकर आधुनिक शैक्षिक नीतियों तक, शिक्षा का मूल लक्ष्य व्यक्ति का 'सर्वांगीण विकास' (Harmonious Development) माना गया है। इसका अर्थ है कि शिक्षा को केवल मस्तिष्क तक सीमित न रहकर मनुष्य के शरीर, मन और आत्मा—इन तीनों का परिमार्जन करना चाहिए। यदि एक विद्यार्थी बहुत अधिक अंक लाता है परंतु उसमें सामाजिक संवेदना या नैतिकता का अभाव है, तो शिक्षा अपने वास्तविक उद्देश्य में विफल मानी जाएगी।

शिक्षा का एक प्रमुख उद्देश्य व्यक्ति को 'स्वावलंबी' बनाना है। यहाँ स्वावलंबन का अर्थ केवल आर्थिक रूप से स्वतंत्र होना नहीं, बल्कि वैचारिक रूप से भी स्वतंत्र होना है। एक शिक्षित व्यक्ति वह है जो स्वयं सोच सके, सही और गलत के बीच भेद कर सके और कठिन परिस्थितियों में तर्कसंगत निर्णय ले सके। यह प्रक्रिया व्यक्ति के भीतर छिपी हुई शक्तियों को बाहर निकालने का कार्य करती है। जैसा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था, "शिक्षा मनुष्य के भीतर पहले से ही विद्यमान पूर्णता की अभिव्यक्ति है।" अतः शिक्षा का काम बाहर से कुछ थोपना नहीं, बल्कि भीतर की प्रतिभा को पल्लवित होने का अवसर देना है।

उदाहरण:

एक ऐसे व्यक्ति की कल्पना कीजिए जिसने बहुत ऊँची तकनीकी शिक्षा प्राप्त की है और वह एक बड़ा इंजीनियर बन गया है। यदि वह इंजीनियर अपनी कुशलता का उपयोग केवल धन कमाने के लिए करता है और पुल बनाते समय घटिया सामग्री का प्रयोग करने की अनुमति दे देता है, तो उसकी 'साक्षरता' तो सफल है लेकिन उसकी 'शिक्षा' अधूरी है। इसके विपरीत, यदि वह अपनी शिक्षा के माध्यम से समाज की सुरक्षा और उन्नति का ध्यान रखता है, तो वह शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य को पूरा कर रहा है। यहाँ शिक्षा का उद्देश्य केवल 'कौशल' देना नहीं, बल्कि उस कौशल के साथ 'चरित्र' का निर्माण करना भी था।

अतः शिक्षा का अंतिम उद्देश्य एक ऐसे 'समग्र मानव' का निर्माण करना है जो न केवल अपनी जीविका चलाने में सक्षम हो, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का उत्तरदायित्व भी उठा सके। यह व्यक्ति को समाज के साथ सामंजस्य बिठाना सिखाती है और उसे एक उत्तरदायी नागरिक बनाती है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थी को 21वीं सदी की चुनौतियों, जैसे कि तकनीकी बदलाव और वैश्विक नागरिकता के लिए तैयार करना है, ताकि वह ज्ञान के साथ-साथ करुणा और विवेक का भी धनी बने।

.....✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

हिन्दुस्तान

स्कूली बच्चे देश दुनिया की खबरों से प्रत्येक दिन हो रहे रु-ब-रु

विशेष

- चेतना सत्र में बच्चों को दी जा रही जानकारी
- बगहा-2 प्रखंड के दर्जनों स्कूल में एचएम की पहल

बगहा,हमारे संवाददाता। बगहा-2 प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में इन दिनों पारंपरिक पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों की पहल पर एक दर्जन से अधिक स्कूलों में छात्रों को सामान्य ज्ञान और समसामयिक विषयों की जानकारी देकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जा रहा है। चेतना सत्र को अब केवल प्रार्थना तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे ज्ञानवर्धक सत्र का रूप दे दिया गया है। प्रतिदिन सुबह चेतना सत्र के दौरान राष्ट्रगीत और प्रार्थना के साथ-साथ उस दिन की तिथि से जुड़ी ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जानकारियां भी विद्यार्थियों को दी जा रही हैं। इससे छात्रों का सामान्य ज्ञान बढ़ रहा है और वे विभिन्न विषयों के प्रति जागरूक हो रहे हैं। प्रधानाध्यापक दयाशंकर साह,

प्राथमिक विद्यालय पटेहरा में चेतना सत्र के दौरान बच्चों को जानकारी देतीं शिक्षिकाएं।

प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार, नीतू कुमारी सहित शिक्षकों ने पिंटू कुमार, शैलेश पासवान, तीरेन्द्र राम सहित दर्जनों ने बताया कि सरकारी विद्यालय किसी भी स्तर पर निजी विद्यालयों से बेहतर है। किताबी ज्ञान के साथ ही साथ व्यवहारिक, प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ समसामयिक ज्ञान से उनको रुबरु कराया जाता है। इसके अलावा चेतना सत्र में ही हर दिन एक साहित्यकार और उनके साहित्य के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। शिक्षक छात्रों को प्रमुख कवियों, लेखकों और उनके रचनात्मक योगदान के बारे में बताते हैं। शिक्षकों का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को सिर्फ पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर उन्हें व्यापक ज्ञान देना है, ताकि भविष्य में वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।बगहा-2 प्रखंड के कई सरकारी विद्यालयों में चेतना सत्र को अधिक ज्ञानवर्धक और रोचक बनाने की पहल की जा रही है। यहां प्रतिदिन चेतना सत्र के दौरान छात्रों को एक सुविचार के साथ सामान्य ज्ञान के पांच प्रश्न भी पूछे जा रहे हैं। इसके अलावा शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरणादायक कहानियां भी सुनाई जा रही हैं, जिससे उनमें नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच का विकास हो सके। बगहा दो के बीईओ फूदन राम ने बताया कि चेतना सत्र के दौरान बच्चो को समसामयिक ज्ञान के साथ ही साथ कई जानकारियो से रुबरु कराया जाता है।

अनुभाग-8

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 36

"(मैट्रिक के बाद – Welder (ITI/Skill Course))"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि मशीन, धातु (Metal), निर्माण कार्य और तकनीकी कौशल में है, तो Welder (ITI/Skill Course) एक अत्यंत मांग वाला और रोजगारपरक विकल्प है। इस कोर्स में आर्क वेल्डिंग, गैस वेल्डिंग, MIG/TIG वेल्डिंग, मेटल कटिंग, ब्लूप्रिंट रीडिंग, सेफ्टी मेजर्स आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। उद्योग, निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर के हर क्षेत्र में कुशल वेल्डर की आवश्यकता रहती है।

अर्हता: न्यूनतम 10वीं उत्तीर्ण; शारीरिक फिटनेस और तकनीकी कार्य में रुचि आवश्यक।

नामांकन प्रक्रिया:

ITI एवं स्किल कोर्स में प्रवेश मेरिट/डायरेक्ट एडमिशन के आधार पर होता है। प्रशिक्षण संबंधी जानकारी के लिए Directorate General of Training – dgt.gov.in तथा Ministry of Skill Development and Entrepreneurship – skillindia.gov.in देखें।

बिहार के प्रमुख सरकारी संस्थान:

राज्य के सभी जिलों में संचालित सरकारी ITI संस्थान

Bihar Skill Development Mission के प्रशिक्षण केंद्र

कोर्स अवधि: 6 माह से 1 वर्ष (सर्टिफिकेट/ITI ट्रेड अनुसार)।

रोजगार की संभावना:

मैन्युफैक्चरिंग यूनिट, कंस्ट्रक्शन कंपनियाँ, रेलवे वर्कशॉप, शिपयार्ड, ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री। प्रारंभिक आय ₹12,000–25,000 प्रति माह, अनुभव के साथ ₹30,000–50,000+ तक।

स्व-रोजगार के अवसर:

वेल्डिंग वर्कशॉप, फेब्रिकेशन यूनिट, गेट/ग्रिल निर्माण—कम निवेश में शुरू कर अच्छी आय संभव।

आगे के अवसर:

एडवांस वेल्डिंग (Underwater/Industrial), सुपरवाइजर/फोरमैन, विदेशों (Gulf देशों) में उच्च वेतन वाली नौकरियाँ।

वित्तीय सहायता:

कई स्किल कोर्स PMKVY के अंतर्गत निःशुल्क/कम शुल्क में उपलब्ध हैं। बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) से भी सहायता मिल सकती है। छात्रवृत्ति हेतु National Scholarship Portal – scholarships.gov.in पर आवेदन करें।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप तकनीकी कौशल के साथ जल्दी रोजगार और विदेश में अवसर चाहते हैं, तो Welder ट्रेड आपके लिए एक मजबूत और स्थायी करियर विकल्प है।

अगले पत्र में – ◆इंटरमीडिएट के बाद : Bachelor of Design (B.Des)। 🎨

.....✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

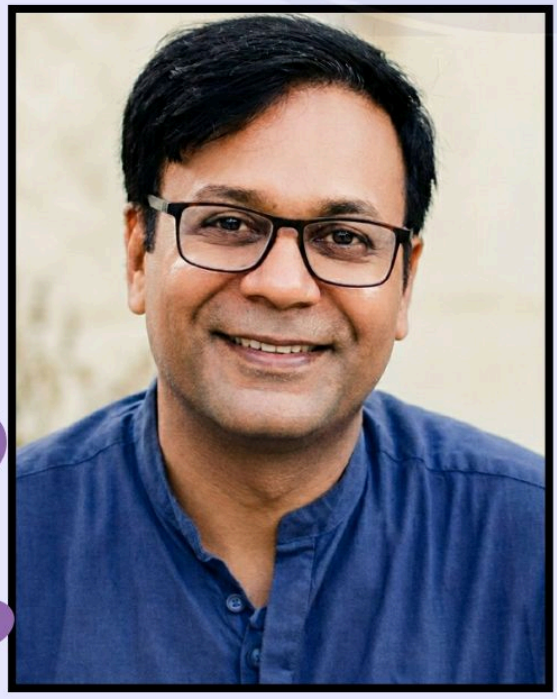

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org